21वीं सदी के लिये संयुक्त राष्ट्र (UN) का पुनरुद्धार

प्रिलिम्स के लिये:

सतत् विकास लक्ष्य (SDG), संयुक्त राष्ट्र , P5 वीटो पावर, पेरिस समझौता 2015, विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP), संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, UNFCCC, संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (UNRWA), लघु द्वीप विकासशील राज्य (SIDS), अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ)।

मेन्स के लिये:

संयुक्त राष्ट्र (UN) में सुधार की आवश्यकता, संयुक्त राष्ट्र से संबंधित चुनौतियाँ और संयुक्त राष्ट्र में सुधार के लिये आवश्यक उपाय।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

वैश्विक संघर्ष का स्तर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गया है, जिसमें वर्ष 2024 में **233,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई और 120 मिलियन लोग विस्थापित हो गए। यह बढ़ती हिंसा और अस्थिरता संयुक्त राष्ट्र (UN)** की सीमाओं को उजागर कर रही है **तथा ऐसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने** की इसकी क्षमता को मज़बूत करने हेतु **आवश्यक सुधारों** की आवश्यकता पर प्रकाश डाल रही है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UN Security Council-UNSC)

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने का उत्तरदायित्व UNSC में

परिचय

- संयुक्त राष्ट्र के **6 प्रमुख अंगों में से एक; संयुक्त राष्ट्र चार्टर** द्वारा **1945 में स्थापित**

मुख्यालय

- न्यूयॉर्क सिटी

पहला सत्र

- **17** जनवरी, **1946** को चर्च हाउस, वेस्टमिंस्टर, **लंदन** में

सदस्यता

- 15 सदस्य- **5** स्थायी सदस्य **(P5), 10 गैर-स्थायी सदस्य दो साल के कार्यकाल** के लिये चुने गए (प्रत्येक वर्ष **5** का चुनाव किया जाता है)
- **P5- अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्राँस और चीन**

UNSC की अध्यक्षता

- **15** सदस्यों के बीच **प्रत्येक माह बारी-बारी से**
- वर्ष **2022** के लिये **भारत की अध्यक्षता-दिसंबर**

मतदान शक्तियाँ

- **1** सदस्य = **1** मत/वोट
- **P5** देशों को वीटो शक्ति प्राप्त है वीटो पावर है
- **UN** के ऐसे सदस्य जो **UNSC** के सदस्य नहीं हैं, **मतदान के अधिकार के बिना** इसके सत्र में भाग लेते हैं

UNSC समितियाँ/प्रस्ताव

- **आतंकवाद:**
    - **संकल्प 1373** (आतंकवाद रोधी समिति)
    - **संकल्प 1267** (दाएश और अल कायदा समिति)
- **अप्रसार समिति:**
    - **संकल्प 1540** (परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों के विरुद्ध)

भारत और UNSC

- **गैर-स्थायी सदस्य के रूप में 7 बार सेवा; 2021-22** में **8**वीं बार चुना गया; **स्थायी सीट की मांग**
- **स्थायी सीट के लिये तर्क:**
    - **43 शांति मिशन**
    - **मानवाधिकार घोषणा (UDHR)** को तैयार करने में सक्रिय भागीदारी
    - भारत की **जनसंख्या, क्षेत्रीय आकार, सकल घरेलू उत्पाद, आर्थिक क्षमता, सांस्कृतिक विविधता, राजनीतिक प्रणाली** आदि।

G4- **चार देशों (ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान) का समूह जो UNSC में स्थायी सीटों के लिये एक-दूसरे की दावेदारी का समर्थन कर रहे हैं**

"मतैक्य के लिये मिलकर काम करना" आंदोलन (Uniting for Consensus-UfC Movement)

- अनौपचारिक रूप से इसे कॉफी क्लब के रूप में जाना जाता है
- देश UNSC स्थायी सीटों के विस्तार का विरोध करते हैं
- समूह के प्रमुख देश-इटली, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण कोरिया, अर्जेंटीना और पाकिस्तान
- इटली और स्पेन जर्मनी की दावेदारी का; पाकिस्तान- भारत की दावेदारी का; अर्जेंटीना-ब्राजील की दावेदारी का और ऑस्ट्रेलिया-जापान की दावेदारी का विरोध कर रहे हैं

United Nations Security Council

Composition through 2022

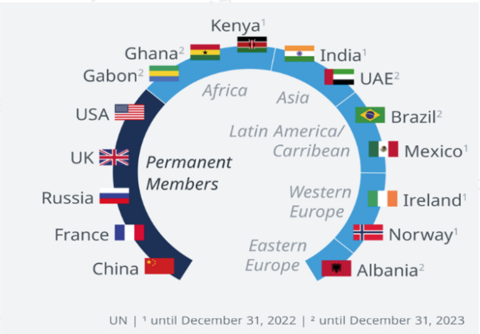

UNSC के समक्ष बड़ी चुनौतियाँ

- संयुक्त राष्ट्र के सामान्य नियम UNSC विचार-विमर्शों पर लागू नहीं होते हैं; बैठकों का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा गया है
- UNSC में पावरप्ले; P5 की अराजकतावादी वीटो शक्तियाँ
- P5 के बीच गहन ध्रुवीकरण; लगातार मतभेद प्रमुख निर्णयों को अवरुद्ध करता है
- विश्व के कई क्षेत्रों का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व

समकालीन विश्व में संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख उपलब्धियाँ क्या हैं?

- **जलवायु नेतृत्व:** संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष **2015 के पेरिस समझौते** में **महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी** और अपनी **वैश्विक संयोजक शक्ति के माध्यम से जलवायु लक्ष्यों, स्थिरता** व **हरित परिवर्तनों** पर **वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना जारी रखा है।**
- **खाद्य सुरक्षा:** संयुक्त राष्ट्र का [विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP)] **सबसे बड़ी वैश्विक खाद्य सहायता पहल** है, जो **आपात स्थितियों** में **जीवन रक्षक सहायता प्रदान करता है** और **भूखमरी में कमी, पोषण** व **आपदा प्रतिक्रिया** पर **परिवर्तनकारी प्रभाव डालता है।**
- **संघर्ष-पश्चात् पुनर्निर्माण:** संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों, विशेष रूप से [संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)] **ने शासन के पुनर्निर्माण, उद्यमशीलता को** बढ़ावा देने व **बुनियादी ढाँचे में निवेश** करके **संघर्ष-पश्चात राज्यों का** समर्थन किया है - जैसा कि **लाइबेरिया** में देखा गया, जहाँ UNDP ने **आर्थिक सुधार व स्थिरता में सहायता की** ।
    - **UNDP के सूक्ष्म वित्त कार्यक्रम स्थानीय व्यापार को बहाल करने, संघर्ष प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करने** तथा **घरेलू लचीलेपन व आजीविका को बढ़ाने** में महत्त्वपूर्ण रहे हैं।
- **शांति स्थापना और सुरक्षा संवर्द्धन: संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों ने दक्षिण सूडान** जैसे अस्थिर क्षेत्रों में **शांति बहाल करने, सुरक्षा धारणा को** बढ़ाने व **स्थानीय आर्थिक** और **घरेलू कल्याण में सुधार करने में** मदद की है।
- **मानवाधिकारों को बढ़ावा देना:** [संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (UDHR)] और **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद** के माध्यम से वैश्विक मानवाधिकारों को बढ़ावा देने, **अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव**, **उत्पीड़न** एवं हिंसा से निपटने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

समकालीन विश्व में संयुक्त राष्ट्र की सीमाएँ क्या हैं?

- **संघर्षों को रोकने या हल करने में असमर्थता: द्वितीय विश्व युद्ध** के बाद से वैश्विक संघर्ष अपने उच्चतम स्तर पर है, जिसमें **92 देशों** के बीच **56 युद्ध चल रहे हैं**, जो **संघर्ष की रोकथाम एवं समाधान** में **संयुक्त राष्ट्र की घटती भूमिका को उजागर करता है - जैसा कि रूस-यूक्रेन** व **इज़रायल-हमास** संघर्षों पर इसके सीमित प्रभाव से देखा जा सकता है ।
    - संघर्ष गरीबी उन्मूलन, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे में प्रगति को बाधित कर रहे हैं। विश्व के लगभग 40% गरीब (लगभग 455 मिलियन लोग) युद्धग्रस्त देशों में रह रहे हैं। यह संयुक्त राष्ट्र के वर्ष **2030 तक के सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) के लिये एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है।**
- **शांति और सुरक्षा के कमज़ोर प्रवर्तन:** युद्ध और उत्पीड़न के कारण वर्ष 2024 में **2,33,000 से अधिक लोगों की मृत्यु** तथा **120 मिलियन लोगों का विस्थापन संयुक्त राष्ट्र की शांति एवं मानवाधिकार सुनिश्चित करने की सीमित प्रभावशीलता** को दर्शाता है, जिससे **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल लक्ष्यों को क्षति पहुँचती** है।
    - **स्वैच्छिक सैनिकों** पर निर्भरता के कारण देरी होती है (जैसे-**रवांडा नरसंहार**) और **प्रतिबंध प्रायः शासनों की तुलना में आम नागरिकों को अधिक नुकसान पहुँचाते** हैं (जैसे- **1990 के दशक में इराक**)।
    - **यमन (जहाँ केवल 54% स्वास्थ्य सुविधाएँ कार्यरत हैं), सूडान (जहाँ 1.5 करोड़ लोग जल और स्वच्छता से वंचित हैं)** और **नाइजीरिया (जहाँ आर्थिक हानि 91.2 से 112.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गई है)** में बड़े मानवीय संकट यह दर्शाते हैं कि नाज़ुक एवं युद्धग्रस्त राज्यों में मानवाधिकार तथा बुनियादी सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता सीमित है।
- **आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर अपर्याप्त प्रतिक्रिया:** हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को वर्ष **2023 में 19.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** (GDP का 13.5%) का नुकसान हुआ, फिर भी **व्यापार में विघटन** और **निवेश हानियों** जैसे आर्थिक प्रभावों से निपटने के लिये **संयुक्त राष्ट्र के पास पर्याप्त उपकरण नहीं** हैं।
    - **युद्ध के जलवायु प्रभाव,** जिनमें **सैन्य गतिविधियों** से होने वाले **वैश्विक उत्सर्जन का 5.5%** और **पारिस्थितिकी तंत्र का विनाश** शामिल है, वैश्विक जलवायु ढाँचों से **काफी हद तक बाहर** हैं, जिससे एक प्रमुख नीतिगत शून्यता उजागर होती है।
- **क्षीण होता प्रभाव और पुरानी संरचना:** वर्ष 1945 में स्थापित **संयुक्त राष्ट्र की संरचना**, विशेष रूप से **P5 वीटो शक्ति**, अक्सर समय पर और निष्पक्ष कार्रवाई को रोकती है।
    - उदाहरण के लिये, **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के P5 वीटो शक्ति** ने अक्सर **इज़रायल-हमास** जैसे संघर्षों में प्रस्तावों को अवरुद्ध किया है, जिससे **वैश्विक न्याय की तुलना में राष्ट्रीय हितों** को प्राथमिकता मिली है।
        - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में **भारत और ब्राज़ील को स्थायी सदस्यता से बाहर रखा जाना** , संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में **शक्ति असंतुलन** को दर्शाता है।
    - आधुनिक चुनौतियों — जैसे **जलवायु-संघर्ष संबंध**, **विषम युद्ध (असमिट्रिक वॉरफेयर)** और **अंतर्राष्ट्रीय उग्रवाद** - के साथ अनुकूलन करने में इसकी विफलता इसे पुराना एवं कठोर बना देती है।
- **मिनीलैटरल मंचों का उदय: क्वाड, ब्रिक्स, G7, G20, यूरोपीय संघ (EU), अफ्रीकी संघ** जैसे **मिनीलैटरल मंचों** का उदय संयुक्त राष्ट्र को कमज़ोर करता है क्योंकि ये उसके **समावेशी ढाँचे को दरकिनार कर देते हैं, जिससे उसकी वैधता और सहमति-निर्माण की भूमिका क्षीण** होती है।
    - ये समूह अक्सर **ध्यान और संसाधनों को भटकाते** हैं, **कम पारदर्शिता** के साथ कार्य करते हैं एवं **छोटे देशों को बाहर रखते** हैं। इससे संयुक्त राष्ट्र के **"एक देश, एक वोट" के सिद्धांत** को दरकिनार कर वैश्विक निर्णय-निर्माण में **शक्ति के पदानुक्रम** को और सुदृढ़ किया जाता है।
- **दीर्घकालिक अल्पवित्तपोषण:** संयुक्त राष्ट्र ने बार-बार **वित्तीय कमी** को रेखांकित किया है, जिससे **शांति स्थापना, जलवायु अनुकूलन** और **मानवीय सहायता** प्रभावित होती है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाएँ अक्सर अपने योगदान में **देरी करती हैं या कटौती करती हैं** — उदाहरण के लिये, **संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA) के लिये धनराशि में कटौती।**

आधुनिक विश्व में संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिये कौन-से संस्थागत सुधार आवश्यक हैं?

- **वीटो शक्ति में सुधार: वीटो के एकपक्षीय उपयोग** को सीमित करने के लिये एक **गैर-पक्षपाती समीक्षा पैनल** की स्थापना की जाए, जो इसके उद्देश्यों और प्रभावों का मूल्यांकन करे, ताकि **पारदर्शिता** एवं **जवाबदेही** सुनिश्चित हो सके।
    - **महासभा में दो-तिहाई (2/3) बहुमत को वीटो किये गए प्रस्ताव** को निरस्त करने का अधिकार दिया जाना चाहिये।
    - **फ्राँस-मेक्सिको का प्रस्ताव**, जो **नरसंहार और जनसंहार** जैसी गंभीर घटनाओं में वीटो के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता है, गंभीर विचार के योग्य है।
- **स्थायी एवं अस्थायी सदस्यता का विस्तार: भारत, ब्राज़ील, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी एवं जापान** को स्थायी सदस्य के रूप में जोड़ने तथा प्रशांत द्वीप समूह और लघु द्वीप विकासशील राज्यों (SIDS) जैसे **जलवायु-संवेदनशील राज्यों** के लिये **घूर्णनशील सीटें** बनाने की आवश्यकता है।
    - इन कदमों से **वैश्विक निर्णय लेने की प्रक्रिया में समानता, प्रतिनिधित्व और वैधता** को बढ़ावा मिलेगा।
- **संघर्षजन्य प्रदूषण के लिये जवाबदेही:** संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा कन्वेंशन (UNFCCC) के तहत सैन्य उत्सर्जन की अनिवार्य रिपोर्टिंग को लागू किया जाए, रक्षा क्षेत्र के लिये **बाध्यकारी कार्बन-उन्मूलन लक्ष्य** (जैसे- **हरित ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा**) तय किये जाएँ और जलवायु जवाबदेही में इसकी भूमिका को स्वीकार किया जाए।
    - संघर्ष के बाद **वनीकरण और स्वच्छ ऊर्जा पुनर्निर्माण** के लिये **संयुक्त राष्ट्र** द्वारा प्रशासित एक कोष स्थापित किया जाए।
- **वित्तपोषण एवं वित्तीय सुधार**: एक स्वचालित वित्तपोषण तंत्र स्थापित किया जाए जिसमें चूक पर दंड का प्रावधान हो और **संयुक्त राष्ट्र सहायता, जलवायु अनुकूलन तथा सतत् विकास लक्ष्यों (SDG)** के लिये वित्त जुटाने हेतु वैश्विक करों जैसे **अरबपतियों पर कर, विमानन/जहाज़रानी पर कार्बन कर** तथा बड़ी तकनीकी कंपनियों पर डिजिटल कर की संभावनाएँ तलाश की जानी चाहिये।
    - सदस्य देशों, विशेषकर बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से समय पर योगदान सुनिश्चित करना, साथ ही **संघर्ष, जलवायु और गरीबी प्रभावित**

क्षेत्रों के लिये **स्वैच्छिक वित्तपोषण** को प्रोत्साहित करना।

- **निष्पक्ष और नैतिक निर्णय लेना:** युद्ध अपराधों के लिये सार्वभौमिक न्याय क्षेत्र स्थापित किया जाए और पक्षपात व राष्ट्रीय स्वार्थ को न्यूनतम करने के लिये **"अज्ञानता के पर्दे" (गुप्त मतदान प्रणाली)** के अंतर्गत निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाए।
  - अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) के निर्णयों का अनुपालन न करने पर **स्वत: प्रतिबंधों के साथ** हितों के टकराव को दूर करने के लिये एक स्वतंत्र नैतिकता पैनल का गठन करना।
- **क्षेत्रीय भागीदारी को मज़बूत करना:** संयुक्त राष्ट्र को **क्षेत्रीय संघर्षों और संकटों** को अधिक प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिये अफ्रीकी संघ (AU), यूरोपीय संघ (EU) **तथा** दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN) जैसे क्षेत्रीय संगठनों के साथ अपनी भागीदारी को मज़बूत करना चाहिये। इसमें **संयुक्त शांति मिशन, आपदा राहत प्रयास और नीति समन्वय** शामिल हो सकते हैं।
  - **यह बहुपक्षवाद और लघुपक्षवाद** के बीच संतुलन भी स्थापित करेगा।

निष्कर्ष

संयुक्त राष्ट्र में सुधार करना यह सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक है कि यह **समकालीन वैश्विक व्यवस्था में एक प्रासंगिक और प्रभावी अभिकर्त्ता बना रहे।** इसके निर्णय लेने की **प्रक्रियाओं, शांति स्थापना जनादेश, बजट संरचना और शासन में परिवर्तन** सहित ये सुधार संयुक्त राष्ट्र को 21वीं सदी की जटिल एवं परस्पर जुड़ी चुनौतियों का बेहतर ढंग से समाधान करने में सक्षम बनाएंगे, जिससे एक अधिक शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण तथा सतत् विश्व सुनिश्चित होगा।

दृष्टि मेन्स प्रश्न:

प्रश्न: आधुनिक संघर्षों को रोकने में संयुक्त राष्ट्र की अक्षमता इसकी संरचनात्मक कमज़ोरियों को उजागर करती है। वैश्विक शांति और सुरक्षा बनाए रखने में इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिये सुधारात्मक सुझाव दीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. "संयुक्त राष्ट्र प्रत्यय समिति (युनाईटेड नेशंस क्रेडेंशियिल्स कमिटी)" के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2022)

1. यह संयुक्त राष्ट्र (UN) सुरक्षा परिषद् द्वारा स्थापित समिति है और इसके पर्यवेक्षण के अधीन काम करती है।
2. पारंपरिक रूप से प्रतिवर्ष मार्च, जून और सितंबर में इसकी बैठक होती है।
3. यह महासभा को अनुमोदन हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पूर्व सभी UN सदस्यों के प्रत्ययों का आकलन करती है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 3
(b) 1 और 3
(c) 2 और 3
(d) 1 और 2

उत्तर: (a)

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2009)

1. संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC) में 24 सदस्य देश शामिल हैं।
2. यह 3 वर्ष की अवधि के लिये महासभा के दो-तिहाई बहुमत द्वारा चुनी जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

?????:

प्रश्न: संयुक्त राष्ट्र आर्थकि व सामाजकि परषिद (इकोसॉक) के प्रमुख प्रकार्य क्या हैं? इसके साथ संलग्न वभिन्नि प्रकार्यात्मक आयोगों को स्पष्ट कीजयि। (2017)

प्रश्न: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परषिद में स्थाई सीट की खोज में भारत के समक्ष आने वाली बाधाओं पर चर्चा कीजयि। (2015)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/revitalising-un-for-the-21st-century